प्रेस नोट

भा.कृ.अनु.प.- भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली के 62वें दीक्षांत समारोह के दौरान पीएचडी छात्रों की प्रस्तुति

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का 62वां दीक्षांत सप्ताह (4-9 फरवरी, 2024)का पांचवा दिन दिनांक 8 फरवरी, 2024 को 54वें लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल व्याख्यान के साथ आरंभ हुआ। "आकांक्षी भारत के लिए कृषि शिक्षा में परिवर्तन" विषय पर डॉ . हिमांशु पाठक, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा विचारशील व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली के पूर्व सचिव और महानिदेशक डॉ. पंजाब सिंह द्वारा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अनुपमा सिंह, अधिष्ठाता और संयुक्त निदेशक (शिक्षा) के स्वागत भाषण के साथ हुई, उन्होंने अध्यक्ष, गणमान्य व्यक्तियों, संकाय तथा उपस्थित छात्रों को इस अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इसके उपरांत भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली के निदेशक डॉ. अशोक कुमार सिंह ने सम्मानित अध्यक्ष डॉ. पंजाब सिंह का परिचय दिया। डॉ. पाठक ने अपने व्याख्यान में भारत में कृषि शिक्षा के इतिहास का पता लगाते हुए वैदिक शिक्षा प्रणाली के महत्व और इसके सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत की कृषि उपलब्धियों और समग्र प्रगति में कृषि विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. पाठक ने कृषि शिक्षा के सामने आने वाली मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिवर्तनकारी प्रभाव पर भी प्रकाश डाला, जिसमें भा.कृ.अनु.प. इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भा.कृ.अनु.प. द्वारा की गई विभिन्न पहलों को चिन्हांकित किया और भारतीय कृषि में युवाओं की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, डॉ. पाठक द्वारा भारत में कृषि शिक्षा के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने भा.कृ.अनु.सं.की स्थापना से लेकर इसकी वर्तमान स्थिति तक के विकास और इसके भविष्य के प्रक्षेप पथ की कल्पना की गई है। उन्होंने दीक्षांत समारोह के स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए अपने संबोधन को विराम दिया।

डॉ. पंजाब सिंह ने डॉ. पाठक के व्याख्यान की गुणवत्ता की सराहना की और सभी छात्रों से अपनी शैक्षणिक यात्रा जारी रखते हुए इससे प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का समापन अधिष्ठाता एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा) डॉ. अनुपमा सिंह द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, उन्होंने दीक्षांत समारोह सप्ताह के दौरान सभी प्रतिभागियों द्वारा किए गए योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

सौजन्य

भा.कृ.अनु.सं. मीडिया प्रकोष्ठ, नई दिल्ली